ASS X	DATE
BJECT HINDI	TOPIC 'बालगोबिन भगत' (रामवृक्ष बेनीपुरी)

केवल पढ़कर समझें-

पाठ की रूपरेखा - रेखाचित्र शैली में रचित इस पाठ के अंतर्गत लेखक ने एक ऐसे पाठ का चित्रण किया है, जो कबीर के आदर्शों पर चलते हुए अपने जीवन का निर्वाह करता है। ग्रामीण परिवेश को चित्रित करने के साथ-साथ इस पाठ में ग्रामीण संस्कृति को भी प्रस्तुत किया गया है। बालगोबिन भगत के बाह्य व्यक्तित्व से यह भी बताने का प्रयास किया गया है कि सन्यासी जीवन का आधार बाह्य व्यक्तित्व ही नहीं, अपितु मानवीय सरोकार होता है।

बालगोबिन भगत के माध्यम से लेखक ने सामाजिक बुराइयों एवं रूढ़िवादी सोच पर प्रहार करते हुए मानवीयता की भावना को प्रतिपादित करने का प्रयास किया गया है।

गद्यांश पर आधारित प्रश्न

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उन पर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए -

बालगोबिन भगत साधु थे। साधु की सब परिभाषाओं पर खरे उतरने वाले। कबीर को 'साहब' मानते थे, उन्हीं के गीतों को गाते, उन्हीं के आदेशों पर चलते। कभी झूठ नहीं बोलते, खरा व्यवहार रखते। किसी से भी दो-टूक बात करने में संकोच नहीं रखते, न ही किसी से खामखाह झगड़ा मोल लेते। किसी की चीज़ नहीं छूते, न बिना पूछे व्यवहार में लाते। इस नियम को कभी-कभी इतनी बारीकी तक ले जाते कि लोगों को कुतूहल होता। कभी वह दूसरों के

Scanned by CamScanner

खेत में शौच के लिए नहीं बैठते। वह गृहस्थ थे; लेकिन, उनकी सब चीज़ 'साहब' की थी। जो कुछ खेत में पैदा होता था, सिर पर लादकर पहले उसे साहब के दरबार में ले जाते, जो उनके घर से चार कोस की दूरी पर था - एक कबीरपंथी मठ से मतलब। वह दरबार में 'भेंट' रूप रख दिया जाकर 'प्रसाद' रूप में जो उन्हें मिलता, उसे घर लाते और उसी से गुज़ारा चलाते।

प्रश्न-1. "इस नियम को कभी इतनी बारीकी तक ले जाते" - पंक्ति में किस नियम की बात की गई है?

प्रश्न-2. बालगोबिन भगत अपना गुज़ारा कैसे चलाते थे?

प्रश्न-3. दो-टूक बात करने का क्या अभिप्राय है?

गद्यांश पर आधारित प्रश्न - (पाठ्य-पुस्तक)

प्रश्न-1. खेतीबाड़ी से जुड़े गृहस्थ बालगोबिन भगत अपनी किन चारित्रिक विशेषताओं के कारण साधु कहलाते थे?

प्रश्न-2. भगत की पुत्रवधू उन्हें अकेले क्यों नहीं छोड़ना चाहती थी?

प्रश्न3. भगत ने अपने बेटे की मृत्यु पर अपनी भावनाएँ किस तरह व्यक्त कीं?

प्रश्न-4. भगत के व्यक्तित्व एवं उनकी वेशभूषा का अपने शब्दों में चित्र प्रस्तुत कीजिए।

Scanned by CamScanner

प्रश्न-5. बालगोबिन भगत की दिनचर्या लोगों के अचरज का कारण क्यों थी?

प्रश्न-6. पाठ के आधार पर बालगोबिन भगत के मधुर गायन की विशेषताएँ लिखिए।

प्रश्न-7. कुछ मार्मिक प्रसंगों के आधार पर यह दिखाई देता है कि बालगोबिन भगत प्रचलित सामाजिक मान्यताओं को नहीं मानते थे। पाठ के आधार पर उन प्रसंगों का उल्लेख कीजिए।

प्रश्न-8. धान की रोपाई के समय समूचे माहौल को भगत की स्वर लहरियाँ किस तरह चमत्कृत कर देती थीं? उस माहौल का शब्द-चित्र प्रस्तुत कर सकते हैं।

रचना और अभिव्यक्ति

प्रश्न-9. पाठ के आधार पर बताएँ कि बालगोबिन भगत की कबीर पर श्रद्धा किन-किन रूपों में प्रकट हुई है?

प्रश्न-10. आपकी दृष्टि में भगत की कबीर पर अगाध श्रद्धा के क्या कारण रहे होंगे?

प्रश्न-11. गाँव का सामाजिक-सांस्कृतिक परिवेश आषाढ़ चढ़ते ही उल्लास से क्यों भर जाता है?

प्रश्न-12. मोह और प्रेम में अंतर होता है। भगत के जीवन की किस घटना के आधार पर इस कथन का सच सिद्ध करेंगे?

→ उपर्युक्त प्रश्नों के उत्तर अपनी उत्तर-पुस्तिका में लिखें।

Scanned by CamScanner